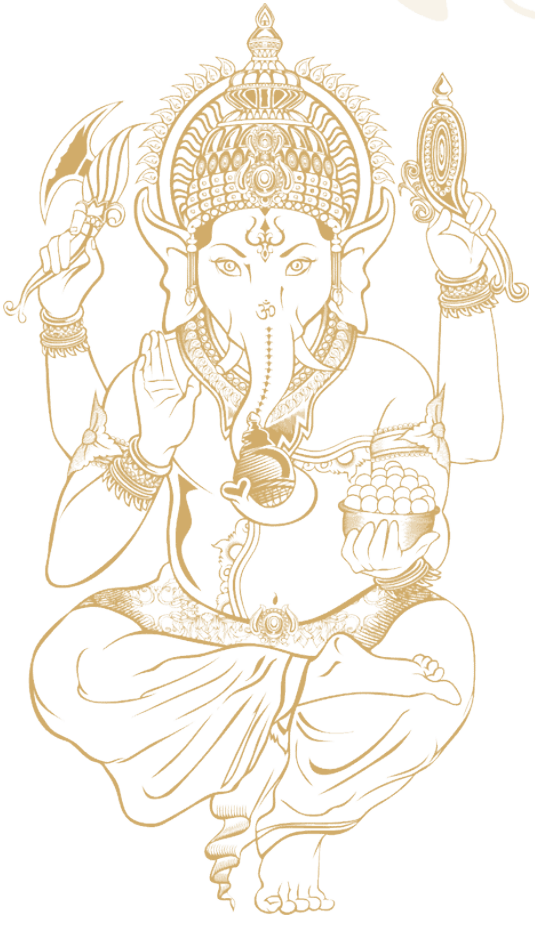

Mr.parul sharma

Ms.shalini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119863802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/01/2001	जन्म तिथि	02/09/2002
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:40:00	जन्म समय	20:13:00 घंटे
घटी 08:09:26	जन्म समय(घटी)	35:17:46 घटी
India	देश	India
Fatehabad	स्थान	Fatehabad
29:31:00 उत्तर	अक्षांश	29:31:00 उत्तर
75:27:00 पूर्व	रेखांश	75:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:12	स्थानिक संस्कार	-00:28:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:24:13	सूर्योदय	06:05:53
17:50:36	सूर्यास्त	18:49:29
23:52:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 1मा 8दि	01:20:58	मीन	लग्न	मीन	17:17:58	राहु 5वर्ष 10मा 1दि
राहु	00:13:51	मक	सूर्य	सिंह	16:04:02	शनि
22/02/2022	00:52:21	कन्या	चंद्र	मिथु	15:40:31	05/07/2024
23/02/2040	18:43:09	तुला	मंगल	सिंह	08:39:28	06/07/2043
राहु 05/11/2024	12:12:40	मक	बुध	कन्या	13:08:13	शनि 09/07/2027
गुरु 31/03/2027	07:32:03	वृष व	गुरु	कर्क	12:56:12	बुध 18/03/2030
शनि 04/02/2030	17:17:33	कुंभ	शुक्र	तुला	01:29:42	केतु 27/04/2031
बुध 24/08/2032	00:18:08	वृष व	शनि	मिथु	03:50:40	शुक्र 26/06/2034
केतु 11/09/2033	21:37:02	मिथु व	राहु व	वृष	19:54:24	सूर्य 08/06/2035
शुक्र 11/09/2036	21:37:02	धनु व	केतु व	वृश्चि	19:54:24	चन्द्र 06/01/2037
सूर्य 06/08/2037	25:27:40	मक	हर्ष व	कुंभ	02:25:50	मंगल 15/02/2038
चन्द्र 04/02/2039	11:56:27	मक	नेप व	मक	14:53:14	राहु 22/12/2040
मंगल 23/02/2040	20:20:43	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:01:29	गुरु 06/07/2043

लग्न-चलित

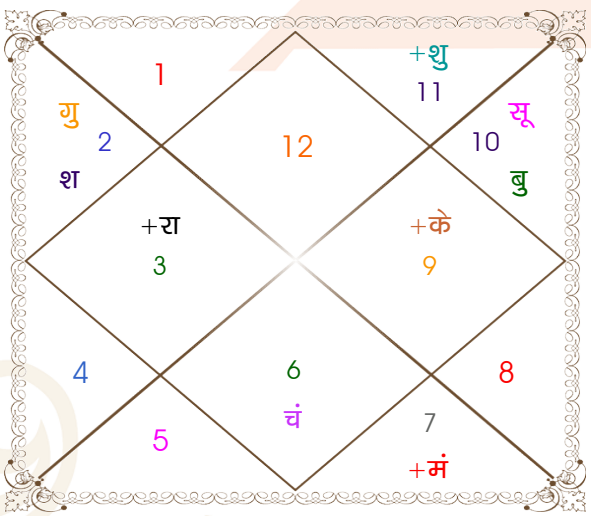

लग्न-चलित

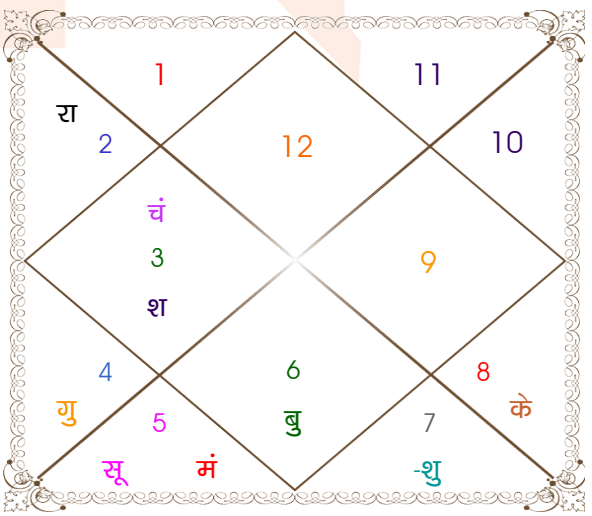

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेर्ेंसपदप का नक्षत्र आर्द्रा है।

डतण्चंतनस ीतउं का वर्ग श्वान है तथा डेर्ेंसपदप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्चंतनस ीतउं और डेर्ेंसपदप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्चंतनस ीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेर्ेंसपदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेर्ेंसपदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्चंतनस ीतउं तथा डेर्ेंसपदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।